>

Title: Alleged atrocities on Dalits in the country.

श्री शैलेन्द्र कुमार (कौशाम्बी): माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से अति लोक-महत्व के प्रश्न पर बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं।

पूरे देश में इस वक्त अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़े वर्ग और अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न की घटनाएं बराबर बढी हैं। पिछले सप्ताह हमारे सम्मानित साथी राम किशुन जी भी एक दलित उत्पीड़न का मामला उठा चुके हैं, जिस पर सभापीठ से आपने रूलिंग भी दी थी कि अगर इस प्रकार की घटनाएं होंगी तो सदन उसको संज्ञान में लेगा।

दिनांक 6/7 अगस्त, 2010 की रात्रि को मेरे निर्वाचन क्षेत्र जनपद कौशाम्बी, उत्तर प्रदेश में श्री रामदास, जो रिटायर्ड कर्मी थे, अनुसूचित जाति के थे और केन्द्रीय विद्यालय, मनोरी में लैब असिस्टेंट के पद पर कार्य कर चुके थे। रिटायरमेंट के बाद वे अपने गांव में रहते थे, खेती-बाड़ी करते थे और अपने ट्यूबवैल पर सोते थे। उनका एक पुत्र है, जो शहर में टेलीविज़न की दुकान करता है। उसकी ससुराल में कोई घटना घटी, शहर इलाहाबाद की पुलिस वहां आई, स्थानीय पुलिस भी आई, उसके घर पर छापा मारा, एक सात-आठ साल का बच्चा था, उसको डण्डे से मारा कि बताओ, तुम्हारा बाप कहां है। उसको उठाने के बाद ट्यूबवैल पर जाते हैं तो उसका राहुल नाम का नाती वहां सो रहा था, जिसकी उम्र 16 वर्ष थी, उससे पूछा कि तुम्हारा बाबा कहां है तो बोला कि वे सो रहे हैं। जब रामदास जी उठे, जो रिटायर्ड कर्मी थे, पुलिस वालों ने पूछा कि तुम्हारा लड़का कहां है। जब उसने नहीं बताया कि साहब, मुझे नहीं मालूम, मैं तो यहां पर हूं तो उसके पेट में पुलिस वालों ने लातें मारीं, जिससे वह तुरन्त बेहोश हो गये। उसके बाद डर के मारे पुलिस वहां से वापस लौटी। घर वालों को जब सूचना मिली, उसके लड़के ने मोबाइल से घर पर सूचना दी तो रात को ही, यह करीब डेढ़ बजे का किस्सा है। जब उसको घर वाले लेकर रास्ते में जा रहे थे तो उसकी मृत्यु हो गई।

इस तरह की घटनाएं आये दिन उत्तर प्रदेश में घट रही हैं।...(व्यवधान) अब देख लीजिए, इनको तकलीफ हो गई।...(व्यवधान)

श्री दारा सिंह चौहान (घोसी): जब उत्तर प्रदेश की विधान सभा चल रही है और यह लॉ एण्ड ऑर्डर का सवाल है तो वहां उठाना चाहिए। ये सदन को गुमराह कर रहे हैं। यह दो भाईयों का मामला था, उनका खुद का झगड़ा है...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : केन्द्र सरकार से आप क्या चाहते हैं, यह बताइये।

श्री दारा सिंह चौहान : ये गलत तरीके से यहां कह रहे हैं, हाउस को गुमराह कर रहे हैं। वहां उत्तर प्रदेश की विधान सभा चल रही है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : डॉ. राजन सुशान्त।

श्री मुलायम सिंह यादव (मैनपुरी): अध्यक्ष महोदय, यह परम्परा का सवाल है, अध्यक्ष द्वारा दी गई रूलिंग के आधार पर ही नहीं है।...(व्यवधान)

श्री शैलेन्द्र कुमार (कौशाम्बी): आपने रूलिंग दी थी कि अगर हरिजन उत्पीड़न का मामला आयेगा तो लोक सभा उसे संज्ञान में लेगी।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : ठीक है, मगर केन्द्र से क्या चाहते हैं, यह तो बता दीजिए।

श्री शैलेन्द्र कुमार : मैं बोल रहा हूं, इन्होंने डिस्टर्ब कर दिया। पहले मेरी पूरी बात तो हो जाये। मैं बस मांग करना चाहता हूं।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : हां, तो बोलिये।

श्री शैलेन्द्र कुमार : मैं आपके माध्यम से मांग करता हूं कि इस प्रकार की कई घटनाएं हैं। एक अल्पसंख्यक पुलिसकर्मी था, वह थाने के अन्दर मारा गया और मानिकपुर थाने में, मेरे क्षेत्र में ही एक बेचारा लोध बिरादरी का था, उसको फर्जी फंसाकर पुलिस वालों ने थाने में मारा। पुलिस अभिरक्षा में इस प्रकार से हरिजनों के ऊपर आज लगातार उत्पीड़न हो रहे हैं। अनुसूचित जाति आयोग की भी रिपोर्ट आई है कि पूरे देश में सबसे ज्यादा अनुसूचित जाति के जो उत्पीड़न के मामले हैं, वे उत्तर प्रदेश से आ रहे हैं, इसलिए मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से कहना चाहूंगा कि इसमें हस्तक्षेप करे, यहां से एक दल भेजे और ऐसी घटनाओं को संज्ञान में लेकर उस परिवार को उचित मुआवजा दिया जाये...(व्यवधान)

श्री दारा सिंह चौहान : यह गलत बात है। ये सदन को गुमराह कर रहे हैं।...(व्यवधान)

श्री शैलेन्द्र कुमार : और जो भी पुलिसकर्मी दोषी पाये जायें, उनके खिलाफ दफा 302 का मुकदमा दर्ज करके उनके खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाये, मैं यह आपसे मांग करना चाहूंगा।...(व्यवधान)

श्री दारा सिंह चौहान : यह गलत है। अभी हरिजनों के छुआछूत का मामला हरियाणा में हुआ और इतने दिन बाद भी वहां स्थिति इतनी विषम है। कितना दुर्भाग्य देश का है कि आज भी अनुसूचित जाति के लोगों को न्याय नहीं मिल रहा है।...(व्यवधान)

18 किलोमीटर दूर जाकर उनको मार गिराया, इस पर चर्चा होनी चाहिए। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : रेवती रमन सिंह जी, आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : बैठ जाइए, शून्य प्रहर चलने दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Nothing will go on record except what Dr. Rajan Sushant says.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : रत्ना सिंह जी, आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)